vinetur

Pessac-Léognan ने वाइन के लिए जलवायु-अनुकूलन की पांच अंगूर किस्मों को मंज़ूरी दी

बोर्दो का अपीलीय क्षेत्र रोग-प्रतिरोधी तीन सफेद और दो लाल अंगूर किस्मों को मंज़ूरी देगा ; रोपण की 5% और ब्लेंड की 10% सीमा लागू होगी

शुक्रवार, 20 नवंबर 2026



बोर्दो के सबसे प्रतिष्ठित वाइन अपीलीय क्षेत्रों में से एक Pessac-Léognan ने अपने उत्पादन नियमों में ऐसे बदलावों को मंज़ूरी दी है, जिनसे अंगूर के बागों को जलवायु संबंधी दबावों के अनुरूप ढालने में मदद के लिए पांच अंगूर किस्मों का सीमित इस्तेमाल किया जा सकेगा। इनमें फफूंदजनित रोगों के प्रति प्रतिरोध के लिए विकसित तीन सफेद अंगूर किस्में शामिल हैं।

नई और पुरानी नियमावली की बिंदुवार तुलना प्रकाशित करने वाली फ्रांसीसी वाइन शिक्षा संस्था Terroirs du Monde के अनुसार, संशोधित उत्पादन नियमावली को 2026 में फ्रांस की राष्ट्रीय आपत्ति प्रक्रिया के बाद 3 नवंबर को मंज़ूरी दी गई। इन बदलावों का अनुरोध अपीलीय क्षेत्र के रक्षा और प्रबंधन निकाय ने किया था। ये इस क्षेत्र की स्थिर लाल और सफेद वाइन पर लागू होते हैं।

मुख्य बदलाव फ्रांस की VIFA व्यवस्था के तहत तथाकथित पांच अनुकूलन किस्मों को शामिल करना है। यह श्रेणी राष्ट्रीय अपीलीय प्राधिकरण INAO ने उन अंगूरों के परीक्षण के लिए बनाई है जिन्हें गर्म होती जलवायु के अधिक अनुकूल माना जाता है। सफेद वाइन के लिए Pessac-Léognan ने Floréal, Sauvignac और Souvignier Gris को शामिल किया है। रोगों के प्रति प्रतिरोध के लिए चुनी गई इन तीनों किस्मों का उद्देश्य फफूंदनाशक उपचारों की ज़रूरत घटाना है। लाल वाइन के लिए अपीलीय क्षेत्र ने Arinarnoa—Tannat और Cabernet Sauvignon का संकर—और Castets को मंज़ूरी दी है। Castets बोर्दो की पुरानी किस्म है, जिसका इस्तेमाल काफी हद तक बंद हो गया था।

इस मंज़ूरी के साथ सख्त सीमाएं भी हैं। नई अंगूर किस्मों का इस्तेमाल करने के इच्छुक हर उत्पादक को INAO और स्थानीय अपीलीय निकाय के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने होंगे। अनुकूलन किस्मों का हिस्सा किसी भी एस्टेट के अंगूर-बाग क्षेत्र के 5% से अधिक और तैयार ब्लेंड के 10% से अधिक नहीं हो सकता। ये सीमाएं लाल और सफेद वाइन के लिए अलग-अलग तय की गई हैं।

सफेद अंगूरों के लिए एक अपवाद है। फ्रांसीसी ग्रामीण संहिता के तहत संरक्षण प्राप्त आबादी वाले इलाकों से 20 मीटर के भीतर लगाए गए नए सफेद अनुकूलन अंगूर, जहां छिड़काव पहले से सीमित है, रोपण की 5% सीमा में नहीं गिने जाएंगे। इस छूट से तैयार वाइन में 10% की सीमा नहीं बदलती और यह दो लाल किस्मों पर लागू नहीं होती।

नियमों में बदलाव से अंगूर-बागों की बनावट से जुड़ी कुछ पुरानी शर्तें भी आसान हुई हैं। न्यूनतम रोपण घनत्व 6,500 बेल प्रति हेक्टेयर से घटाकर 5,500 बेल प्रति हेक्टेयर कर दिया गया है, यानी लगभग 15% की कमी। कतारों के बीच अधिकतम दूरी 1.6 मीटर से बढ़ाकर 1.8 मीटर की गई है। एक कतार में बेलों के बीच न्यूनतम दूरी 0.8 मीटर ही रहेगी। प्रशिक्षित छत्र की आवश्यक ऊंचाई कतारों की चौड़ाई से जुड़ी होने के कारण, छत्र की न्यूनतम ऊंचाई 0.96 मीटर से बढ़ाकर 1.08 मीटर कर दी गई है।

खरपतवार नियंत्रण के मामले में, अपीलीय क्षेत्र ने रासायनिक निराई की अनुमति वाले हिस्से को घटाकर कतार के दोनों ओर 30 सेंटीमीटर की पट्टी तक सीमित कर दिया है। खेत की कतारों के सिरों पर रासायनिक निराई और पूरी तरह रासायनिक निराई पर पहले से लागू रोक बरकरार है।

पुराने अंगूर-बागों को भी अपीलीय क्षेत्र के लिए पात्र बने रहने का अधिक समय मिलेगा। संशोधित नियमों के तहत, 31 अगस्त 1990 से पहले लगाए गए ऐसे अंगूर-बाग, जहां प्रति हेक्टेयर बेलों का घनत्व 5,000 से 5,500 के बीच है, अनुमत उपज में एक समान 10% कटौती की शर्त पर 2050 की फसल तक Pessac-Léognan के लिए पात्र रह सकते हैं। 2024 के नियमों में यह छूट केवल 2030 तक थी और उपज में कटौती 10% से 40% तक थी।

पहले की एक छूट को नए नियमों में शामिल नहीं किया गया है। 2024 के एक प्रावधान के तहत 31 जुलाई 2009 से पहले लगाए गए ऐसे भूखंडों को जारी रहने की अनुमति थी जो बेलों के पुराने 6,500 प्रति हेक्टेयर घनत्व पर खरे उतरते थे, लेकिन दूरी संबंधी नियमों पर नहीं। यह प्रावधान अब संशोधित पाठ में नहीं है। Terroirs du Monde ने कहा कि ऐसे भूखंडों की जांच अलग-अलग करनी होगी।

अपीलीय क्षेत्र के कई बुनियादी नियमों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। Pessac-Léognan अब भी अपने 10 कम्यून तक सीमित है। मूल उपज 54 हेक्टोलिटर प्रति हेक्टेयर और अधिकतम सीमा 60 हेक्टोलिटर प्रति हेक्टेयर बनी हुई है। वाइन को परिपक्व करने और बाज़ार में जारी करने की तारीखें भी अपरिवर्तित हैं। उत्पादक एस्टेट में बोतलबंदी की शर्त और Cru Classé de Graves उल्लेख के इस्तेमाल सहित लेबलिंग नियम भी नहीं बदले हैं।

वाइन कारोबार के लिए, बोर्दो से बाहर भी इस फैसले पर करीब से नज़र रखे जाने की संभावना है, क्योंकि यह इस बात का संभावित मॉडल पेश करता है कि एक प्रतिष्ठित अपीलीय क्षेत्र रोगों के दबाव, छिड़काव की सीमाओं और गर्म होती खेती की जलवायु के अनुरूप ढलते हुए अपनी पहचान को कैसे बचा सकता है। इस बदलाव से उन अनुकूलन किस्मों को भी अधिक महत्व मिलता है जिन्हें पहले ही व्यापक क्षेत्रीय अपीलीय क्षेत्रों में शामिल किया जा चुका है। Arinarnoa और

Castets को इससे पहले Bordeaux और Bordeaux Supérieur में मंज़ूरी दी गई थी, जबकि सफेद किस्में Floréal, Sauvignac और Souvignier Gris को 2025 में मंज़ूर Bordeaux Supérieur नियमों में पहले ही शामिल किया गया था।

संशोधित पाठ में प्रशासनिक बदलाव भी शामिल हैं। अब भूखंडों के नक्शे नगरपालिकाओं के कार्यालयों के बजाय INAO की वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं और आधिकारिक भौगोलिक संदर्भ कोड को अपडेट किया गया है। Pessac-Léognan का गठन 1987 में Graves के उत्तरी हिस्से से किया गया था।